स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय , आरा (बिहार)

पाठ्यक्रम:विद्या-वाचस्पति

[Ph.D. : Course Work]

(SYLLABUS)

2020

सामान्य निर्देश

- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम **2 प्रश्नपत्रों** में विभाजित है जिनमें से **प्रत्येक 100 अंक** का होगा।
- पहला पत्र , जिसे शोध-प्रविधि कहा जाएगा , दो समूहों में विभाजित किया जाएगा। **समूह 'अ'** और **समूह 'ब'**।
- **समूह 'अ'-** यह **80 अंकों** का होगा । इसमें **5 इकाइयाँ** होंगी। इन इकाइयों में अनुसंधान के नीतिशास्त्र , दर्शनशास्त्र, प्रकृति, अवधारणा, आवश्यकता, आयामों और उपयोगिता का समावेश होगा। ***प्रतिभागियों को 10 में से 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे*** जबकि प्रत्येक इकाई से एक उत्तर देना अनिवार्य होगा। हर इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
- **समूह 'ब'**- यह **20 अंकों** का होगा। इसमें एक ही इकाई होगी। इस के अंतर्गत शोधकार्य के लिए आवश्यक कंप्यूटर की व्यावहारिक शिक्षा दी जाएगी। माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पावर पॉइंट और हिन्दी टाइपिंग इसमें प्रमुख होंगे। ***प्रतिभागियों को इस इकाई से जुड़े 4 प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर देना होगा।***

दूसरा पत्र पूरी तरह से विषय-संबन्धित होगा। इसमें हिन्दी साहित्य की व्यापक और गहन अध्ययन अपेक्षित है। यह भी दो समूहों में विभाजित है-

- समूह अ
- समूह ब

- **समूह अ** - यह **60 अंकों** का होगा और इसमें **5 इकाइयाँ** होंगी। **अभ्यर्थियों को 10 सवालों में से 5 के उत्तर** देने होंगे जबकि हर इकाई से एक उत्तर देना अनिवार्य होगा। हर इकाई से 2 प्रश्न पूछे जाएँगे।

- **समूह ब-** यह **40 अंकों** का होगा और इसके **पुनः 3 भाग** होंगे-
- **भाग क-** यह **20 अंकों** का होगा जिसमें शोधार्थी को अपनी शोध-अभिरुचि के अंतर्गत एक **शोधपत्र या प्रदत्त-कार्य** करना होगा जिसकी **शब्द-सीमा 3000-5000** शब्दों की होगी।
- **भाग ख**- यह **10 अंकों** का होगा। शोधार्थी को अपने विषय पर एक **पावर पॉइंट प्रस्तुति देना अनिवार्य होगा।**

❖ **भाग ग**- यह **10 अंकों** का होगा। शोधार्थी को एक **मौखिकी परीक्षा** देनी होगी जो विभाग में ही सम्पन्न होगी।

- अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होने के लिए निर्धारित उत्तीर्णांक (55 % या निर्धारित ग्रेड) प्राप्त करने होंगे। इसके बाद ही उन्हें PGRC की मीटिंग में अपना शोध-प्रस्ताव(SYNOPSIS) जमा करने की अर्हता मिल पाएगी।

- **नोट**: प्रथम पत्र के **समूह ब** का पाठ्यक्रम , **MCA DEPARTMENT, VKSU** द्वारा संचालित होगा।

प्रथम पत्र

शोध-प्रविधि(Research methodology)

पूर्णांक : 100

समूह 'अ' : 5x16=80 अंक

समय-3घंटे

(इस पाठ्यक्रम में शोध की विभिन्न प्रणालियों,विषय-चयन, शोध की उपयोगिता, बौद्धिक संपदा के साथ-साथ साहित्य-क्षेत्र के अनुसंधान में आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया जाएगा)

समूह 'अ' कुल 5 इकाइयों में समायोजित होगा

इकाई	पाठ्यक्रम	अंक
1	शोध की अवधारणा और स्वरूप: शोध और इतिहास, शोध और आलोचना, शोध और साहित्य-सिद्धान्त, शोध के तत्व : तथ्य, कल्पना एवं विचार, शोध का उद्देश्य	16
2	शोध की पद्धतियाँ: ऐतिहासिक एवं समाजशास्त्रीय शोध, अंतर-अनुशासनात्मक शोध, पाठालोचनात्मक शोध, तुलनात्मक शोध, लोक साहित्यिक शोध, भाषा-वैज्ञानिक/शैली वैज्ञानिक शोध, शोध में अनुवाद का महत्व	16
3	शोध परिकल्पना, विषय संकल्पना, रूपरेखा निर्माण, विषय-वर्गीकरण, शोध-सामग्री-संकलन, उद्धरण और संदर्भ-ग्रंथ सूची के निर्माण की प्रविधि	16
4	जनसंचार:प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, जनसंचार माध्यमों का विस्तार - उपग्रह, टेलीप्रिंटर, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मुद्रित माध्यम, अनुसंधान एवं अन्वेषण में इनकी भूमिका, संचार-क्रांति और साहित्यिक शोध, मानव-मूल्य और शोध , शोध की वस्तुनिष्ठता और शोधकर्ता की आत्मपरकता	16
5	बौद्धिक सम्पदा, हिन्दी में शोध की समस्याएँ: प्रायोजित शोध, अनुदान एवं पुस्तकालय, शोध से जुड़े नैतिक और कानूनी प्रावधान	16

समूह 'ब': 20 अंक

यह **20 अंकों** का होगा। इसमें एक ही इकाई (UNIT) होगी। इस के अंतर्गत शोधकार्य के लिए आवश्यक, कंप्यूटर की व्यावहारिक शिक्षा दी जाएगी।

****

संदर्भ-सामग्री-

1- सिन्हा, डॉ सावित्री, डॉ विजयेन्द्र स्नातक, अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली
2- सिंह, विजयपाल, हिन्दी अनुसंधान, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद
3- वर्मा, डॉ हरिश्चंद्र, शोध प्रविधि, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
4- डॉ॰नगेंद्र, शोध और सिद्धान्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5- बोरा राजमल, तुलनात्मक अध्ययन:भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य, वाणी प्रकाशन
6- बोरा राजमल, तुलनात्मक अध्ययन: स्वरूप एवं समस्याएँ , वाणी प्रकाशन
7- Nunan, David, Research Methods in Language Learning, CUP, Cambridge
8- Kothari, C.R. , Research Methodology, New Age International, Jaipur

द्वितीय पत्र

हिन्दी साहित्य: दर्शन,विचारधारा और तुलनात्मक साहित्य

पूर्णांक : 100

समूह 'अ': 5x12=60 अंक

समय: 3घण्टे

(इसमें हिन्दी-साहित्यिक-अनुसंधान के आलोक में साहित्येतिहास, साहित्य-दर्शन, विचारधारा एवं तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है)

समूह 'अ' कुल 5 इकाईयों में समायोजित होगा।

इकाई	पाठ्यक्रम	अंक
1	साहित्येतिहास: लेखन की परंपरा, प्रमुख सिद्धान्त एवं समस्याएँ , प्रमुख साहित्येतिहासकारों की इतिहास दृष्टि - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ॰नगेंद्र एवं सुमन राजे	12
2	विचारधारा की अवधारणा : सिद्धान्त और विकास, साहित्य की स्वायत्तता और विचारधारा, प्रमुख विचारधाराएँ- विधेयवाद, मार्क्सवाद, रूपवाद,मानवतावाद,मनोविश्लेषणवाद, स्वच्छंदतावाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, सौंदर्यशास्त्र(प्राच्य और पाश्चात्य संदर्भ), गांधी, लोहिया, जयप्रकाश, अंबेडकर की विचारधाराएँ एवं उनकी आलोचनात्मक प्रतिपत्तियाँ	12
3	पाठ के आलोक में दर्शन और विचारधारा का व्यावहारिक पक्ष: **आदिकाल**:पृथ्वीराजरासो, विद्यापति पदावली **भक्तिकाल**- कबीर ग्रंथावली, रामचरितमानस, भ्रमर गीतसार , पद्मावत, **रीतिकाल**- केशवदास, बिहारी, देव, घनानन्द, मतिराम और भूषण की काव्यगत प्रवृत्तियाँ **आधुनिक काल** **काव्य**- साकेत, कामायनी, चिदम्बरा, कनुप्रिया, गीतपर्व, उर्वशी **उपन्यास**-- गोदान, देहाती दुनिया, शेखर: एक जीवनी, उभरी परतें,	12

	रागदरबारी **हिन्दी नाटक**-चन्द्रगुप्त, आषाढ़ का एक दिन, हानूश,बकरी, कोर्ट्मार्शल **कहानी**- 23 हिन्दी कहानियाँ (संपादक- जैनेन्द्र)	
4	तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप, तुलनात्मक साहित्य का भारतीय संदर्भ, तुलनात्मक साहित्य एवं पाठ: वाल्मीकि और तुलसीदास, शेक्सपियर और जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद और टॉलस्टाय, निराला और रवीन्द्रनाथ टैगोर	12
5	बिहार का हिन्दी साहित्य, बिहार का इतिहास, बिहार की विभाषाएँ और उनका साहित्य, विभिन्न विषयों पर हिन्दी में लिखने वाले लेखकों, समाज के सुदृढीकरण और राष्ट्रीय एकता को हिन्दी भाषा के माध्यम से बिहार में विकसित करने में योगदान, बिहारी लेखकों एवं कवियों को बिहारी मानने का मानक(आचार्य शिवपूजन सहाय की मान्यता), विभिन्न कालों में बिहार के महत्त्वपूर्ण लेखन का सर्वेक्षण एवं हिन्दी साहित्य के उन्नयन में बिहार की भूमिका	12

समूह 'ब': 40 अंक

भाग क	शोध-पत्र(Research paper) अथवा शोध संदर्भित नितांत मौलिक अन्वेषणात्मक चिंतनपरक आलेख (राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशनार्थ मानक के अनुरूप)जिसकी शब्द सीमा 3000-5000 शब्दों की होगी	20 अंक
भाग ख	अपने विषय की पावर-पॉइंट-प्रस्तुति	10 अंक
भाग ग	मौखिकी	10 अंक

संदर्भ-ग्रंथ सूची-

1- शर्मा, नलिन विलोचन, साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
2- शर्मा, रामविलास, इतिहास दर्शन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3- हबीब, इरफान, इतिहास और विचारधारा, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
4- हाऊज़र, आर्नल्ड, कला का इतिहास-दर्शन, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
5- सिंह, नामवर, आलोचना और विचारधारा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6- डॉ॰ राय, नर्मदेश्वर, हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूप , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7- प्रो॰ सिंह, गोपेश्वर, भक्ति-आंदोलन और काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8- वर्मा, निर्मल, कला का जोखिम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9- जौहरी, जे॰ सी॰, समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त, स्टर्लिंग पब्लिकेशन, नई दिल्ली
10-चौधरी, इन्द्रनाथ, तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
11-Eagleton, Terry, Ideology: An introduction, VERSO, London

****